मत कर इतना मुझको मजबूर

मत कर इतना मुझको मजबूर साँवरे,
क्यूँ हो गया हैं मुझसे तू दूर साँवरे ॥

तेरी गलियों में मेरा आना जाना रहें ,
हर पल तेरा प्यार पाना रहें ,
तेरी गलियों से होउ मशहूर साँवरे,

इन नैनों की तृष्णा मिटादो हरि ,
मुझे राधा संग दर्शन दिखादो हरि ,
मिल जाए मेरे दिल को सरूर साँवरे,

भाव लिख लिख श्यामा मैं सुनाता रहूँ ,
प्रेम भरे स्वर से तुझको रिझाता रहूँ ,
तुम आना मेरे घर पे जरूर साँवरे,

तेरे नैनों का अमृत मैं हर पल पियूँ ,
चाहे मर जाऊँ चाहे तेरे दर जियूँ ,
तेरे "पवन" के होवे गम दूर साँवरे,

वो नैनों का लम्हा तेरा इक इशारा कर गया,
मुझे ब्रिज की गलियों में अवारा कर गया ,

भाव व् स्वर : (लाडला पवन वर्मा)

Source:
https://www.bharattemples.com/mat-kar-itna-mujhko-majhbor-sanware-kyu-ho-geya-hai-mujhse-tu-dur-sanware/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw